

जनवरी 2015 का चार्ट

| | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 |
|----------------------------------------------------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| 1. अमृतवेले का योग शक्तिशाली रहा? | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 2. अव्यक्त स्थिति का अनुभव किया? | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 3. निराकारी स्थिति में स्थित रहने की प्रैक्टिस की? | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 4. कर्म करते डबल लाईट स्थिति रही? | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 5. रात्रि सोने से पूर्व आधा घंटा योग किया? | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

बार-बार आकारी व निराकारी स्थिति में रहने की प्रैक्टिस, अशरीरी बनने की प्रैक्टिस करें।

आत्मिक स्थिति में स्थित रहने की, आत्मिक दृष्टि से देखने की, देह से न्यारे रहने की ज्यादा से ज्यादा प्रैक्टिस करनी है।

वायुमण्डल को अव्यक्त और शक्तिशाली बनाने में पूरा-पूरा अटेन्शन रखना है।

अव्यक्त मास के लिए कुछ विशेष धारणाएँ:-

1. अमृतवेले उमंग-उत्साह से उठकर शक्तिशाली योगाभ्यास करना।
2. सवेरे और शाम, सारे दिन में कम से कम चार घण्टे बैठकर योगाभ्यास करना।
3. सवेरे आठ बजे तक और भोजन करते समय संपूर्ण मौन में रहना।
4. कर्म करते, सम्बन्ध-सम्पर्क में आते भी विशेष अन्तर्मुखता में रहना।
5. बार-बार पांच स्वरूपों की ड्रिल का विशेष अभ्यास व अनुभव करना।
6. रात्रि को सोने से पहले आधा घण्टा शक्तिशाली योगाभ्यास करना।

विशेष ध्यान रखने योग्य बिन्दू :-

1. इंटरनेट, मोबाइल, टेलिविजन का अनावश्यक रूप से उपयोग नहीं करना।
2. परचिन्तन, परदर्शन, परनिन्दा से किनारा।
3. मुरली के एक प्वाइंट पर मनन-चिन्तन करना।

-: अव्यक्त मास के लिए स्वमान :-

- 1 से 5 जनवरी :- मैं अव्यक्त वतनवासी आकारी फरिश्ता हूँ।
- 6 से 10 जनवरी :- मैं निराकारी स्थिति में स्थित रहने वाली श्रेष्ठ आत्मा हूँ।
- 11 से 15 जनवरी :- मैं पवित्र किरणें फैलाने वाला परम पवित्र फरिश्ता हूँ।
- 16 से 20 जनवरी :- मैं फरिश्ता लाइट हाउस-माइट हाउस हूँ।
- 21 से 25 जनवरी :- मैं देह से न्यारा डबल लाइट फरिश्ता हूँ।
- 26 से 31 जनवरी :- मैं विश्वकल्याणकारी अव्यक्त फरिश्ता हूँ।